इंडिया मेरीटाइम वीक 2025 में जेएनपीए ने 'साझेदारी के माध्यम से समृद्धि' का संदेश देते हुए भविष्य के लिए तैयार समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

मुंबई, 04 नवम्बर 2025: भारत के सबसे बड़े कंटेनर पत्तन - जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जेएनपीए) ने 27 से 31 अक्टूबर, 2025 तक बॉम्बे एग्ज़िबिशन सेंटर, मुंबई में आयोजित इंडिया मेरिटाइम वीक 2025 में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। पांच दिनों के दौरान, जेएनपीए ने स्टॉल पर अपनी उपलब्धियों, आगामी पहलों और भविष्य के लिए तैयार बुनियादी ढांचे पर प्रकाश डाला, जिससे गणमान्य व्यक्तियों, उद्योग विशेषज्ञों और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों का व्यापक ध्यान आकर्षित हुआ।

जेएनपीए के स्टॉल पर माननीय केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल और पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव श्री विजय कुमार, भा.प्र.से. पधारे। उन्होंने भारत की समुद्री विकास में जेएनपीए के योगदान की सराहना की। महाराष्ट्र सरकार के माननीय विपणन एवं प्रोटोकॉल मंत्री श्री जयकुमार जितेन्द्रसिंह रावल ने भी जेएनपीए के स्टॉल का दौरा किया। कार्यक्रम के दौरान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों, क्षेत्र के प्रमुखों, विदेशी प्रतिनिधियों और कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों सहित कई अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों ने भी जेएनपीए टीम के साथ संवाद किया।

कार्यक्रम के दौरान, जेएनपीए ने भारत और विश्व की प्रमुख संस्थाओं के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए, जिनकी कुल राशि ₹२,२८,३०० लाख करोड़ से अधिक है। इन समझौतों का उद्देश्य जेएनपीए और आगामी वाढवण पोर्ट में अवसंरचना विकास, वित्तीय सहयोग और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देना है। प्रमुख हस्ताक्षरित समझौतों में शामिल हैं:

- अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (एपीएसईज़ेड) और जेएनपीए - वाढवण पर अपतटीय परियोजनाओं संयुक्त रूप से भाग लेने का इरादा (₹26,500 करोड़)
- अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन (एपीएसईज़ेड) और जेएनपीए - वाढवण पर कंटेनर टर्मिनलों के विकास में संयुक्त रूप से भाग लेने का इरादा (₹26,500 करोड़)
- भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) और जेएनपीए - वाढवण परियोजना के लिए वित्तीय सहयोग बढ़ाने का इरादा (₹20,000 करोड़)
- एवरग्रीन मरीन प्रा. लि. और जेएनपीए – वाढवण परियोजना में टर्मिनलों के विकास में साझेदारी का इरादा (₹10,000 करोड़)
- हुडको और जेएनपीए – जने पोर्ट पर बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण और विकास हेतु (₹5,000 करोड़)

- ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (डीसीआई) और जेएनपीए - मुंबई और जेएन पोर्ट की ड्रेजिंग गतिविधियों में दीर्घकालिक सहयोग के लिए साझेदारी (₹1,500 करोड़)
- गल्फटेनर कंपनी लिमिटेड और जेएनपीए - वाढवण पर टर्मिनल विकसित करने का इरादा (₹4,000 करोड़)
- इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) और जेएनपीए - जेएनपीए को दो ग्रीन टग की आपूर्ति (₹300 करोड़)
- बोस्कालिस इंटरनेशनल बी.वी. और जेएनपीए - वाढवण पर पुनर्निर्मित (रीक्लेम्ड) भूमि का विकास और रखरखाव (₹26,500 करोड़)
- एजिस लॉजिस्टिक्स लिमिटेड और जेएनपीए — वाढवण पर कंटेनर, थोक तथा तरल माल के प्रहस्तन के लिए टर्मिनल का विकास (₹20,000 करोड़)
- भिलोसा इंडस्ट्रीज लिमिटेड और जेएनपीए - समुद्री सेवाओं, इंटरमॉडल कनेक्टिविटी (विभिन्न परिवहन माध्यमों के आपसी संपर्क) और स्थिरता पहलों को सुविधाजनक बनाने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण (₹15,000 करोड़)
- एनएमडीसी और जेएनपीए - डहाणु में ग्रीनफील्ड परियोजना के तहत अपतटीय ब्रेकवाटर के निर्माण हेतु वाढवण पर भाग लेने का इरादा (₹6,500 करोड़)
- एफकॉन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और जेएनपीए - डहाणु में ग्रीनफील्ड परियोजना के लिए अपतटीय ब्रेकवाटर (पैकेज 1ए) के निर्माण के लिए वाढवण पर भाग लेने का इरादा (₹6,500 करोड़)

- एनसीसी लिमिटेड और जेएनपीए – वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) के लिए सहयोग, ₹26,500 करोड़
- वान हाई लाइन्स और जेएनपीए – वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) के लिए साझेदारी, ₹20,000 करोड़
-
- हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (एचसीसी) और जेएनपीए – वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) के लिए सहयोग, ₹6,500 करोड़
- सविता ऑयल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड और जेएनपीए – पत्तन से संबंधित परियोजनाओं के लिए सहयोग, ₹1,500 करोड़
- सेमइंडिया प्रोजेक्ट लिमिटेड और जेएनपीए – वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) के लिए सहयोग, ₹6,500 करोड़

- कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) और जेएनपीए – पत्तन से संबंधित परियोजनाओं के लिए सहयोग, ₹500 करोड़

सप्ताह के दौरान जेएनपीए ने कई पैनल चर्चाओं और रणनीतिक सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा पत्तन के डिजिटलीकरण, तटीय संपर्क और वैश्विक समुद्री व्यापार के भविष्य जैसे विषयों पर अपने महत्वपूर्ण विचार साझा किए।

इंडिया मेरीटाइम वीक 2025 में जेएनपीए द्वारा आयोजित महाराष्ट्र राज्य सत्र में राज्य की समुद्री प्रगति के लिए एक साहसिक रोडमैप प्रस्तुत किया गया, जिससे महाराष्ट्र को भारत के प्रमुख समुद्री केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया। महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस जी की गौरवपूर्ण उपस्थिति में आयोजित इस सत्र में राज्य के तीन प्रमुख विकास स्तंभों — विश्वस्तरीय वाढवण पोर्ट परियोजना, टिकाऊ बुनियादी ढांचे और बहु-माध्यमीय संपर्क (मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी) — पर वरिष्ठ अधिकारियों ने महत्त्वपूर्ण विचार साझा किए। इस अवसर पर अनेक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर भी किए गए। कार्यक्रम में ग्लोबल मेरीटाइम इंडिया समिट (जीएमआईएस) का उद्घाटन भी किया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सशक्त वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर विशेष जोर दिया गया। इसके बाद जेएनपीए द्वारा आठ रणनीतिक समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया। तकनीकी सत्रों - लॉजिस्टिक्स रीइनवेंटेड और पोर्ट्स टू प्रॉसपेरिटी - में निर्बाध कनेक्टिविटी, बंदरगाह-आधारित आर्थिक परिवर्तन और भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कंटेनर के रूप में जेएनपीए की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की गई।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और प्रगाढ़ बनाते हुए, जेएनपीए ने इंडिया मेरीटाइम वीक 2025 के दौरान तीन विदेशी प्रतिनिधिमंडलों की मेज़बानी की। नीदरलैंड्स, श्रीलंका और स्वीडन के प्रतिनिधिमंडलों ने प्रबंधन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा संधारणीयता के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं का पता लगाने के लिए जेएनपीए का दौरा किया। चर्चाओं का केंद्रबिंदु तकनीकी हस्तांतरण, कार्गो प्रहस्तन में नवाचार तथा संधारणीय विकास के क्षेत्र में ज्ञान के आदान-प्रदान पर रहा, जिससे यह स्पष्ट होता है कि वैश्विक समुद्री सहयोग के एक प्रमुख केंद्र के रूप में जेएनपीए की प्रतिष्ठा बढ़ रही है।

सप्ताह के दौरान जेएनपीए की उत्कृष्टता और नवाचार के क्षेत्र में जेएनपीए को दो प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। को "इंडियन पोर्ट ऑफ द ईयर" और "पोर्ट लीड डेवलपमेंट" के लिए पुरस्कार प्राप्त हुए। ये सम्मान, ज़िम्मेदार और भविष्य के लिए तैयार प्रचालन में एक मानक के रूप में जेएनपीए की स्थिति की पुष्टि करते हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए, जेएनपीए के अध्यक्ष श्री गौरव दयाल भा.प्र.से., ने कहा कि,"इंडिया मेरीटाइम वीक 2025 ने जेएनपीए को हमारे चल रहे प्रोजेक्ट्स, रणनीतिक दृष्टिकोण और उन सहयोगों को प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया, जो भारत की समुद्री प्रगति के अगले चरण को आकार दे रहे हैं। सप्ताह के दौरान हुए समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर और हुई चर्चाएँ हमारे प्रयासों को और गति देंगी — ताकि हम संधारणीय, कुशल और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अवसंरचना का निर्माण कर सकें।"

इंडिया मेरीटाइम वीक 2025 में सफल भागीदारी के बाद, जेएनपीए भारत के समुद्री क्षेत्र में अपनी नेतृत्व भूमिका को और सशक्त कर रहा है। वाढवण बंदर जैसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स के साथ-साथ 'शिवदुर्ग' नामक 20 मंजिला अत्याधुनिक कॉर्पोरेट कार्यालय

परिसर की झलक भी इस आयोजन में प्रस्तुत की गई। मालेट बुंदर रोड पर, मुंबई पोर्ट प्राधिकरण के फेरी व्हार्फ और डोमेस्टिक क्रूज़ टर्मिनल के समीप विकसित किया जा रहा यह भव्य परिसर समुद्री अवसंरचना और कॉर्पोरेट उत्कृष्टता का नया प्रतीक बनेगा। इस परियोजना के माध्यम से बंदरगाह दक्षता में वृद्धि होगी और भारत के वैश्विक समुद्री केंद्र बनने के विज़न को गति मिलेगी।

जनेप प्राधिकरण के बारे में:

जवाहरलाल नेहरू पत्तन प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) भारत के प्रमुख कंटेनर हैंडलिंग पतनौ में से एक है। 26 मई 1989 को अपनी स्थापना के बाद से, जनेप प्राधिकरण ने एक बल्क कार्गो टर्मिनल से देश के प्रमुख कंटेनर पत्तन में परिवर्तन किया है।

वर्तमान में, जनेप प्राधिकरण पांच कंटेनर टर्मिनलों एन.एस.एफ.टी, एन.एस.आई.सी.टी, एन.एस.आई.जी.टी, बी.एम.सी.टी और ए.पी.एम.टी का संचालन करता है पत्तन में सामान्य कार्गो के लिए उथले पानी की बर्थ भी है। जनेप प्राधिकरण पत्तन पर मौजूद लिक्विड कार्गो टर्मिनल का प्रबंधन बी.पी.सी.एल आई.ओ.सी.एल कंसोर्टियम द्वारा किया जाता है। इसके अतिरिक्त, नवनिर्मित तटीय बर्थ अन्य भारतीय पत्तनों को जोड़ता है और तटीय कंटेनरों के यातायात को बढ़ाने की सुविधा प्रदान करता है।

277 हेक्टेयर भूमि पर बसा जनेप प्राधिकरण भारत में निर्यातोन्मुखी उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ एक सावधानीपूर्वक डिजाइन किया गया बहु-उत्पाद एसईजेड भी संचालित करता है।

जेएनपीए, महाराष्ट्र में भारत के 13वें महा पत्तन, वाढवण में एक सभी मौसमों में सक्षम, गहरे डुबाव वाला, ग्रीनफील्ड पतन भी विकसित कर रहा है। इसके वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 पत्तनो में शामिल होने की संभावना है, यह इसके स्थापना से ही 100% ग्रीन पोर्ट होगा।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर जाएँ:

जेएन पोर्ट : **www.jnport.gov.in**
लिंक्डइन: JNPA- **Jawaharlal Nehru Port Authority**
एक्स: @**JNPort**
इंस्टाग्राम: @**jnpaport**
फेसबुक: @**JNPA**

मीडिया पूछताछ के लिए, कृपया संपर्क करें:
अंबिका सिंह
वरिष्ठ प्रबंधक (विपणन), जनेप प्राधिकरण
मोबाइल नंबर: +91 9920372677
ईमेल: **ambikasingh@jnport.gov.in**

इंडिया मेरीटाइम वीक २०२५ मध्ये जेएनपीएचा ‘भागीदारीतून समृद्धीकडे’ दृष्टिकोन — भविष्याभिमुख सागरी प्रगतीची नवी दिशा

मुंबई, ३ नोव्हेंबर २०२५: भारतातील सर्वात मोठे कंटेनर बंदर असलेल्या जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरणाने (जेएनपीए), २७ ते ३१ ऑक्टोबर २०२५ दरम्यान मुंबईतील बॉम्बे एक्झिबिशन सेंटर येथे झालेल्या इंडिया मेरीटाइम वीक २०२५ मध्ये प्रभावी सहभाग नोंदवला. पाच दिवसांच्या या प्रदर्शनादरम्यान जेएनपीएने आपल्या कामगिरी, आगामी उपक्रम आणि भविष्यवेधी पायाभूत सुविधांचे प्रभावी सादरीकरण करत, मान्यवर, उद्योगतज्ज्ञ आणि आंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधींचे विशेष लक्ष वेधले.

जेएनपीएच्या स्टॉलला भारत सरकारचे बंदरे, जहाजबांधणी आणि जलमार्ग मंत्री आदरणीय श्री सर्बानंद सोनोवाल तसेच बंदरे, जहाजबांधणी आणि जलमार्ग मंत्रालयाचे सचिव श्री विजय कुमार (भा.प्र.से.) यांनी भेट देऊन भारताच्या सागरी विकासातील जेएनपीएच्या योगदानाचे कौतुक केले. तसेच महाराष्ट्र शासनाचे विपणन व प्रोटोकॉल मंत्री आदरणीय श्री जयकुमार जितेंद्रसिंह रावल यांनीही जेएनपीएच्या स्टॉलला भेट दिली. याशिवाय, मंत्रालयातील वरिष्ठ अधिकारी, सागरी क्षेत्रातील प्रमुख व्यक्ती, आंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधी आणि विविध कॉर्पोरेट संस्थांचे प्रतिनिधी यांनी देखील कार्यक्रमादरम्यान जेएनपीएच्या अधिकाऱ्यांशी संवाद साधला.

कार्यक्रमादरम्यान, जेएनपीएने देशातील तसेच आंतरराष्ट्रीय स्तरावरील प्रमुख संस्थांसोबत एकूण ₹२,२८,३०० कोटींपेक्षा अधिक मूल्याच्या अनेक सामंजस्य करारांवर (एमओयू) स्वाक्षऱ्या केल्या. हे करार जेएनपीए आणि आगामी वाढवण बंदरातील पायाभूत सुविधा विकास, आर्थिक सहकार्य आणि तांत्रिक प्रगती वाढविण्याच्या उद्देशाने करण्यात आले. करार पुढील प्रमाणे आहेत:

- अदाणी पोर्ट्स अँड स्पेशल इकॉनॉमिक झोन (एपीएसईझेड) आणि जेएनपीए – वाढवण बंदरातील ऑफशोअर प्रकल्पांमध्ये सहभागासाठी करार (₹२६,५०० कोटी)
- अदाणी पोर्ट्स अँड स्पेशल इकॉनॉमिक झोन (एपीएसईझेड) आणि जेएनपीए – वाढवण बंदरातील कंटेनर टर्मिनल विकासासाठी करार (₹२५,००० कोटी)
- इंडियन रेल्वे फायनान्स कॉर्पोरेशन (आयआरएफसी) आणि जेएनपीए – वाढवण प्रकल्पासाठी आर्थिक सहाय्य देण्याचा करार (₹२०,००० कोटी)
- एव्हरग्रीन मरीन प्रा. लि. आणि जेएनपीए – वाढवण प्रकल्पातील टर्मिनल विकासात सहभागासाठी करार (₹१०,००० कोटी)
- हाउसिंग अँड अर्बन डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन (हूडको) आणि जेएनपीए – जेएन पोर्टमधील पायाभूत सुविधा विकास व वित्तपुरवठ्यासाठी करार (₹५,००० कोटी)

- ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (डीसीआय) आणि जेएनपीए – मुंबई आणि जेएन पोर्ट येथील ड्रेजिंग कामकाजासाठी दीर्घकालीन सहकार्याचा करार (₹१,५०० कोटी)
- गल्फटेनर कंपनी लि. आणि जेएनपीए – वाढवण बंदरातील टर्मिनल विकासासाठी करार (₹४,००० कोटी)
- इंडियन पोर्ट रेल अँड रोपवे कॉर्पोरेशन लि. (आयपीआरसीएल) आणि जेएनपीए – जेएनपीएला दोन हरित टग बोट पुरवण्यासाठी करार (₹३०० कोटी)
- बॉस्कॅलिस इंटरनॅशनल बी.व्ही. आणि जेएनपीए – वाढवण बंदरातील पुनर्निर्मित (reclaimed) भूमीच्या विकास आणि देखभालीसाठी करार (₹२६,५०० कोटी)
- एजिस लॉजिस्टिक्स लि. आणि जेएनपीए – वाढवण बंदरात कंटेनर, बल्क व द्रव माल हाताळणीसाठी टर्मिनल विकासाचा करार (₹२०,००० कोटी)
- भिलोसा इंडस्ट्रीज लि. आणि जेएनपीए – सागरी सेवा, इंटरमोडल कनेक्टिव्हिटी आणि शाश्वतता उपक्रमांना चालना देण्यासाठी आवश्यक पायाभूत सुविधा उभारणीचा करार (₹१५,००० कोटी)
- एनएमडीसी आणि जेएनपीए – दहाणू येथे वाढवण बंदरासाठी ग्रीनफिल्ड प्रकल्पांतर्गत ऑफशोअर ब्रेकवॉटर बांधकामासाठी सहभागाचा करार (₹६,५०० कोटी)
- अफकॉन इन्फ्रास्ट्रक्चर लि. आणि जेएनपीए – दहाणू येथे वाढवण बंदरातील ग्रीनफिल्ड प्रकल्पासाठी ऑफशोअर ब्रेकवॉटर (पॅकेज 1A) बांधकामासाठी करार (₹६,५०० कोटी)
- एनसीसी लिमिटेड आणि जेएनपीए – वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) साठी सहकार्य, ₹२६,५०० कोटी
- वान हाय लाइन्स आणि जेएनपीए – वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) साठी भागीदारी, ₹२०,००० कोटी
- हिंदुस्तान कन्स्ट्रक्शन कंपनी (एचसीसी) आणि जेएनपीए – वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) साठी सहकार्य, ₹६,५०० कोटी
- सविता ऑइल टेक्नॉलॉजीज लिमिटेड आणि जेएनपीए – बंदराशी संबंधित प्रकल्पांसाठी सहकार्य, ₹१,५०० कोटी
- सेमइंडिया प्रोजेक्ट लिमिटेड आणि जेएनपीए – वाढवण पोर्ट प्रोजेक्ट लिमिटेड (वीपीपीएल) साठी सहकार्य, ₹६,५०० कोटी
- कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) आणि जेएनपीए – बंदराशी संबंधित प्रकल्पांसाठी सहकार्य, ₹५०० कोटी

जेएनपीएने या आठवड्यातील विविध चर्चा सत्रांमध्ये आणि धोरणात्मक सत्रांमध्ये सक्रीय सहभाग नोंदवला, ज्यामध्ये पोर्ट डिजिटलायझेशन, सागरी कनेक्टिव्हिटी आणि जागतिक सागरी व्यापाराचे भविष्य या विषयांवर महत्त्वपूर्ण विचार मांडण्यात आले. इंडिया मेरीटाइम वीक २०२५ मधील महाराष्ट्र राज्य सत्राचे आयोजन जेएनपीएने केले होते, ज्यात महाराष्ट्राला भारताचे अग्रगण्य

सागरी केंद्र म्हणून स्थान देत राज्याच्या सागरी विकासाचा व्यापक आराखडा सादर करण्यात आला. या सत्राला माननीय मुख्यमंत्री श्री. देवेंद्र फडणवीस यांच्या उपस्थितीने गौरव प्राप्त झाला. या वेळी महत्त्वपूर्ण सामंजस्य करार (एमओयू) करण्यात आले आणि वरिष्ठ अधिकाऱ्यांनी राज्याच्या तीन-आधारीत विकास दृष्टीकोनावर विचार मांडले — जागतिक दर्जाच्या वाढवण बंदर प्रकल्प, शाश्वत पायाभूत सुविधा, आणि बहुविध संपर्क व्यवस्था. या कार्यक्रमात ग्लोबल मेरीटाइम इंडिया समिट (जीएमआयएस) चे उद्घाटनही करण्यात आले, ज्यात आंतरराष्ट्रीय सहकार्य आणि सक्षम जागतिक सप्लाय चेनवर भर देण्यात आला. तसेच "लॉजिस्टिकस रिइन्व्हेंटेड" आणि "फ्रॉम पोर्ट्स टू प्रोस्पेरिटी" या तांत्रिक सत्रांमध्ये कनेक्टिव्हिटी , बंदर-आधारित आर्थिक प्रगती, आणि भारतातील सर्वाधिक कार्यक्षम कंटेनर बंदर म्हणून जेएनपीएची भूमिका अधोरेखित करण्यात आली.

आंतरराष्ट्रीय सहकार्याला अधिक बळ देत, जेएनपीएने इंडिया मेरीटाइम वीक २०२५ दरम्यान तीन आंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधीमंडळांचे स्वागत केले. किंग्डम ऑफ नेदरलँड्स, श्रीलंका आणि स्वीडन येथील प्रतिनिधीमंडळांनी जेएनपीएला भेट देऊन बंदर व्यवस्थापन, कौशल्य विकास आणि शाश्वततेच्या क्षेत्रात सहकार्याच्या संधींचा आढावा घेतला. या चर्चांमध्ये तंत्रज्ञान हस्तांतरण, माल हाताळणीतील नवोन्मेष, आणि शाश्वत बंदर विकासातील ज्ञान विनिमय यांवर विशेष भर देण्यात आला. या भेटींमुळे जागतिक सागरी सहकार्यासाठी केंद्र म्हणून जेएनपीएची वाढती प्रतिष्ठा अधिक दृढ झाली.

या आठवड्यात जेएनपीएच्या उत्कृष्ट कामगिरी आणि नवोन्मेषाला मान्यता मिळाली. जेएनपीएला 'इंडियन पोर्ट ऑफ द इयर' आणि 'पोर्ट लेड डेव्हलपमेंट' ही दोन प्रतिष्ठित पारितोषिके प्रदान करण्यात आली. या सन्मानांमुळे जबाबदार आणि भविष्याभिमुख बंदर संचालनाच्या क्षेत्रात जेएनपीएची आदर्श भूमिका स्पष्ट झाली.

या प्रसंगी जेएनपीएचे अध्यक्ष श्री गौरव दयाल, भा. प्र. से. म्हणाले, *"इंडिया मेरीटाइम वीक २०२५ ने जेएनपीएला आमचे सुरू असलेले प्रकल्प, धोरणात्मक दृष्टीकोन आणि भारताच्या सागरी क्षेत्राच्या पुढील टप्प्याला आकार देणाऱ्या सहकार्यांचे प्रदर्शन करण्यासाठी एक उत्कृष्ट व्यासपीठ उपलब्ध करून दिले. या आठवड्यात झालेल्या सामंजस्य करारांमुळे आणि चर्चांमुळे शाश्वत, कार्यक्षम आणि जागतिक स्तरावर स्पर्धात्मक बंदर पायाभूत सुविधा निर्माण करण्याच्या आमच्या प्रयत्नांना आणखी गती मिळेल."*

इंडिया मेरीटाइम वीक २०२५ मधील यशस्वी सहभागानंतर, जेएनपीए भारताच्या सागरी क्षेत्रातील आपले नेतृत्व अधिक मजबूत करत आहे. वाढवण बंदरासारख्या महत्त्वाकांक्षी प्रकल्पांबरोबरच 'शिवदुर्ग' या २० मजली अत्याधुनिक कॉर्पोरेट कार्यालय संकुलाची झलक या कार्यक्रमात सादर करण्यात आली. मालेट बुंदर रोडलगत, मुंबई पोर्ट प्राधिकरणाच्या फेरी व्हार्फ आणि डोमेस्टिक क्रूझ टर्मिनलजवळ उभारले जाणारे हे भव्य संकुल सागरी पायाभूत सुविधा आणि कॉर्पोरेट उत्कृष्टतेचे नवे प्रतीक ठरेल. या प्रकल्पाद्वारे बंदर कार्यक्षमता वाढवून भारताच्या जागतिक सागरी केंद्र होण्याच्या दृष्टिकोनाला गती मिळेल.

जनेप प्राधिकरणाबद्दल:

जवाहरलाल नेहरू पोर्ट प्राधिकरण (जनेप प्राधिकरण) हे भारतातील प्रमुख कंटेनर हाताळणी बंदरांपैकी एक आहे. 26 मे 1989 रोजी स्थापना झाल्यापासून, जनेप प्राधिकरण एक बल्क कार्गो टर्मिनलवरून देशातील प्रमुख कंटेनर बंदरात रूपांतरित झाले आहे.

सध्या, जनेप प्राधिकरण पाच कंटेनर टर्मिनल्स चालवते एन एस एफ टी, एन एस आय सी टी, एन एस आय जी टी, बी एम सी टी आणि ए पी एम टी बंदरात सामान्य मालवाहतुकीसाठी उथळ पाण्याचा बर्थ देखील आहे. जनेप प्राधिकरण पोर्टवर उपस्थित असलेले लिक्विड कार्गो टर्मिनल बीपीसीएल-आयओसीएल कन्सोर्टियम द्वारे व्यवस्थापित केले जाते. या व्यतिरिक्त, नव्याने बांधलेला किनारी धक्का इतर भारतीय बंदरांना जोडतो आणि किनारपट्टीवरील कंटेनरची वाहतूक वाढवते.

277 हेक्टर जमिनीवर वसलेले, जनेप प्राधिकरण भारतातील निर्यात-केंद्रित उद्योगांना चालना देण्यासाठी, अत्याधुनिक पायाभूत सुविधांसह, काळजी पूर्वक डिझाइन केलेले बहुउत्पादक विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) देखील चालवते.

जेएनपीए वाढवण येथे एक सर्व-हवामान, डीप ड्राफ्ट, ग्रीनफिल्ड बंदर विकसित करत आहे, जे महाराष्ट्रातील भारताचे १३वे मोठे बंदर असेल. हे जागतिक स्तरावरील सर्वोत्कृष्ठ १० बंदरांमध्ये स्थान मिळवणार आहे आणि स्थापनेपासून १००% हरित बंदर असेल.

अधिक माहितीसाठी आमच्या वेबसाइट आणि सोशल मीडियाला भेट द्या:

जेएन पोर्ट : www.jnport.gov.in

लिंक्डइन: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

एक्स: @JNPort

इंस्टाग्राम: @jnpaport

फेसबुक: @JNPA

मीडिया चौकशीसाठी, कृपया संपर्क साधा:

जनेप प्राधिकरण:

अंबिका सिंग

सीनियर मॅनेजर (मार्केटिंग), जनेप प्राधिकरण

मोबाईल क्रमांक: +919920372677

ईमेल: ambikasingh@jnport.gov.in

जनेप प्राधिकरण
JNPA
INDIA'S LARGEST CONTAINER PORT

At India Maritime Week 2025, JNPA Champions 'Prosperity through Partnership' for a Future-Ready Maritime Ecosystem

Mumbai, November 03, 2025: Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) - India's largest container port, marked a strong presence at *India Maritime Week 2025*, held from October 27 to 31, 2025, at the Bombay Exhibition Centre, Mumbai. Over the five days, JNPA highlighted its achievements, upcoming initiatives, and future-ready infrastructure at JNPA stall, attracting widespread attention from dignitaries, industry experts, and international delegates.

The JNPA stall was graced by the Hon'ble Union Minister of Ports, Shipping and Waterways, Shri Sarbananda Sonowal, and the Secretary, Ministry of Ports, Shipping and Waterways, Shri Vijay Kumar, IAS, who appreciated JNPA's contribution toward India's maritime growth. Hon'ble Minister of Marketing and Protocol, Government of Maharashtra, Shri Jayakumar Jitendrasinh Rawal, also visited JNPA stall. Several other eminent visitors, including senior officials from the Ministry, port sector leaders, foreign delegates, and corporate representatives, also interacted with the JNPA team during the event.

During the event, JNPA signed multiple **Memoranda of Understanding (MoUs)** with major Indian and global organisations, collectively amounting to over ₹228,300 crore, aimed at boosting infrastructure development, financial collaboration, and technological advancement at JNPA and the upcoming Vadhvan Port. The key MoUs signed include:

- **Adani Ports & Special Economic Zone (APSEZ)** and **JNPA** – Intent to participate at Vadhvan Port for **offshore projects** (₹26,500 crore)
- **Adani Ports & Special Economic Zone (APSEZ)** and **JNPA** – Intent to participate at Vadhvan Port for **development of container terminals** (₹25,000 crore)
- **Indian Railway Finance Corporation (IRFC)** and **JNPA** – Intent to **extend financial support** for the Vadhvan Project (₹20,000 crore)

जनेप प्राधिकरण JNPA | INDIA'S LARGEST CONTAINER PORT

- **Evergreen Marine Pvt. Ltd.** and **JNPA** – Intent to participate in **development of terminals** at Vadhvan Project (₹10,000 crore)
- **HUDCO** and **JNPA** – Intent for **financing and developing infrastructure** at JN Port (₹5,000 crore)
- **Dredging Corporation of India (DCI)** and **JNPA** – Cooperation in **dredging activities** of Mumbai and JN Port for long-term collaboration (₹1,500 crore)
- **Gulftainer Company Ltd.** and **JNPA** – Intent to **develop terminals** at Vadhvan Port (₹4,000 crore)
- **Indian Port Rail & Ropeway Corporation Ltd. (IPRCL)** and **JNPA** – Supplying **two green tugs** to JNPA (₹300 crore)
- **Boskalis International B.V.** and **JNPA** – Development and **maintenance of reclaimed land** at Vadhvan Port (₹26,500 crore)
- **Aegis Logistics Ltd.** and **JNPA** – Development of **terminal for handling containers, bulk, and liquid cargo** at Vadhvan Port (₹20,000 crore)
- **Bhilosa Industries Ltd.** and **JNPA** – Creation of **infrastructure to facilitate marine services, intermodal connectivity, and sustainability initiatives** (₹15,000 crore)
- **NMDC** and **JNPA** – Intent to participate at Vadhvan Port for **construction of offshore breakwater** for the greenfield project at Dahanu (₹6,500 crore)
- **Afcons Infrastructure Ltd.** and **JNPA** – Intent to participate at Vadhvan Port for **construction of offshore breakwater (Package 1A)** for the greenfield project at Dahanu (₹6,500 crore)
- **NCC Limited** and JNPA worth for VPPL **₹26,500 crore**
- **WAN HAI Lines** and JNPA worth for VPPL **₹20,000 crore**
- **Hindustan Construction Company (HCC) and JNPA** for VPPL worth **₹6,500 crore**
- **Savita Oil Technologies Ltd. & JNPA** worth **1,500 crore**
- **Cemindia Project Ltd. & JNPA** worth **₹6,500 crore**
- **Container Corporation of India Ltd. (CONCOR) & JNPA** worth **500 crore**

JNPA also participated actively in several panel discussions and strategic sessions during the week, contributing insights on topics such as port digitalization, coastal connectivity, and the future of global maritime trade. The Maharashtra State Session at India Maritime Week 2025, hosted by JNPA, outlined a bold roadmap for the state's maritime growth, positioning Maharashtra as India's leading maritime hub. Graced by Hon'ble Chief Minister Shri Devendra Fadnavis, the session featured key MoU signings and strategic insights from senior officials on the state's three-pillar approach — led by the world-class Vadhvan Port project, sustainable infrastructure, and multimodal connectivity. The event also saw the Global Maritime India Summit (GMIS) inauguration, emphasizing international cooperation and resilient global supply chains, followed by eight strategic MoU exchanges by JNPA. The technical sessions — *Logistics Reinvented* and *From Ports to Prosperity* — explored seamless connectivity, port-led economic transformation, and JNPA's pivotal role as India's top-performing container port.

Adding further depth to its international engagement, JNPA hosted three **foreign delegation visits** during India Maritime Week 2025. Delegations from the **Kingdom of the Netherlands**, **Sri Lanka**, and **Sweden** visited JNPA to explore collaboration in port management, skilling and training, and sustainability. The discussions focused on technology transfer, innovation in cargo handling, and the exchange of knowledge in sustainable port development, underscoring JNPA's growing reputation as a hub for global maritime cooperation.

JNPA's excellence and innovation were also recognised during the week with **two prestigious awards**. The port received the **Indian Port of the Year** and for the **Port led Development.** These accolades reaffirm JNPA's position as a benchmark in responsible and future-ready port operations.

Speaking on the occasion, **Shri Gaurav Dayal, IAS, Chairman, JNPA**, said, *"India Maritime Week 2025 provided JNPA with an excellent platform to showcase our ongoing projects, strategic vision, and collaborations that are shaping the next phase of India's maritime growth. The MoUs signed and discussions held during the week will further accelerate our efforts toward building sustainable, efficient, and globally competitive port infrastructure."*

With the success of its participation at India Maritime Week 2025, JNPA continues to strengthen its leadership role in India's maritime ecosystem, driving forward projects like **Vadhvan Port**, 'ShivDurg', a visionary 20-storey corporate office complex he upcoming state-of-the-art infrastructure, was highlighted at IMW 2025. Located along Mallet Bunder Road, adjacent to the Ferry Wharf and Domestic Cruise Terminal of the Mumbai Port Authority, this landmark project will redefine maritime infrastructure and corporate excellence, enhancing port efficiency, and advancing the nation's vision of becoming a global maritime hub.

About JNPA:

The Jawaharlal Nehru Port Authority (JNPA) is one of the premier container-handling ports in India. Since its inception on May 26, 1989, JNPA has transformed from a bulk cargo terminal into the premier container port in the country.

Currently, JNPA operates five container terminals - NSFT, NSICT, NSIGT, BMCT and APMT. The Port also has a Shallow Water Berth for general cargo. A Liquid Cargo Terminal present at the JNPA Port is managed by the BPCL-IOCL consortium and the additional liquid cargo terminal developed by JNPA will be operated by M/s JSW - JNPT Liquid Terminal Pvt. Ltd. Additionally, the newly constructed coastal berth links other Indian ports and facilitates enhancing the traffic of coastal containers.

Nestled across 277 hectares of land, JNPA also operates a meticulously designed multi-product SEZ, with state-of-the-art infrastructure, to boost export-oriented industries in India.

JNPA is also developing an all-weather, deep-draft, greenfield port at Vadhvan, the 13th Major Port of India in Maharashtra. It is poised to be among the top 10 ports globally and will be a 100% green port since its inception.

Visit our website and social media to learn more:

JN Port: www.jnport.gov.in

LinkedIn: JNPA- Jawaharlal Nehru Port Authority

X: @JNPort

Instagram: @jnpaport

Facebook: @JNPA

For media enquiries, please contact:

Ambika Singh
Sr. Manager (Marketing), JNPA
Mob: +919920372677
E-mail: ambikasingh@jnport.gov.in